Tender Heart High School, Sector- 33 -B Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौं एवं दस

उपविषय : प्रस्ताव - लेखन

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या - 45 पर दिए प्रस्ताव - लेखन पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज का हमारा विषय प्रस्ताव - लेखन है। आज हम प्रस्ताव - लेखन से जुड़ी कुछ जानकारी प्राप्त करेंगे। आप भी अपनी - अपनी पुस्तक एवं उत्तर - पुस्तिका निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। इस विषय पर चर्चा करते - करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। उन प्रश्नों के उत्तर आप तभी दे पाएँगे यदि आप अपना ध्यान विषय पर ही केन्द्रित रखेंगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! प्रस्ताव शब्द का अर्थ होता है विषय-चर्चा। प्रस्ताव लेखन में प्रस्ताव लिखने वाले को विषय तथा उसके केन्द्र में स्थित मूलभाव के आसपास ही सोचना होता है। प्रस्ताव लिखने के लिए कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना चाहिए, जो निम्नलिखित हैं :-

- प्रस्ताव लिखने से पहले विषय को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए और अपने विचार उसी बिंदु पर ही स्थिर करने चाहिए।
- यह प्रश्न विकल्प सहित होता है इसलिए सभी विकल्पों को

ध्यानपूर्वक पढ़कर ही विषय का चुनाव करना चाहिए।
- प्रस्ताव लिखते समय बीच में विषय को अवश्य पढ़ लें कि कहीं कुछ छूट तो नहीं गया है।
- सूक्तिपरक प्रस्ताव को ध्यान से पढ़ें। उस पर 'लेख' लिखना है अथवा 'कहानी' निर्देश के अनुसार ही लिखें।
- सूक्तिपरक प्रस्ताव में सूक्ति का अर्थ आरंभ या अंत में अवश्य समझा देना चाहिए।
- वाद-विवाद या पक्ष-विपक्ष से जुड़े विषयों पर प्रस्ताव लिखते समय अपने विचार किसी एक बिंदु (पक्ष या विपक्ष) पर स्थिर कर लेने चाहिए। अर्थात् पक्ष या विपक्ष को आधार बनाकर ही अपने विचार प्रस्तुत करने चाहिए।
- प्रस्ताव लेखन के प्रश्न में एक विकल्प 'चित्रलेखन' भी होता है। इससे विद्यार्थियों के निरीक्षण कौशल का विकास होता है। चित्रलेखन लिखते समय आप चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए। प्रस्ताव के प्रारंभ में यह लिखना चाहिए कि आप चित्र में क्या देख रहे हैं। चित्र में किसी विषय को आधार बनाकर कहानी लिख डालनी चाहिए। कभी-कभी चित्र का भाव प्रस्ताव या निबंध के रूप में लिखा जाना चाहिए।
- प्रस्ताव लेखन में भाषा सरल, शुद्ध एवं प्रभावोत्पादक होनी चाहिए।

* विषय की दृष्टि से प्रस्तावों का वर्गीकरण

विषय की दृष्टि से प्रस्ताव के निम्नलिखित मुख्य प्रकार हैं :-

(क) वर्णनात्मक - इसमें यात्रा, ऋतु, तीर्थ, दर्शनीय स्थल / भवन, उत्सव आदि से संबंधित वर्णन होता है।

(ख) विवरणात्मक - इसमें वृतान्त (किसी बीती बात या घटी हुई घटना का विवरण) की प्रधानता होती है।

(ग) विचारात्मक - इसमें बुद्धि तत्व की प्रधानता होने के कारण विचार-पक्ष प्रधान होता है।

CamScanner

(घ) भावात्मक - ऐसे विषय भावों से संबंधित होते हैं। जिनमें एकता, दया, परोपकार अहिंसा आकर्षण, विराग, आनंद, विषाद, घृणा आदि का वर्णन होता है।

(ङ) फुटकर - इस प्रकार के प्रस्ताव मिले-जुले विषयों में से संबंधित होते हैं जिनमें भाषा, विज्ञापन, आत्मकथा, जीवनी आदि पर विचार किया जाता है।

प्रस्ताव का कलेवर

प्रस्ताव का कलेवर प्राय: तीन भागों में विभक्त होता है :-

प्रारंभ - इसमें दिए गए विषय की प्रस्तावना होती है। विषय या समस्या की गंभीरता पर विचार इसी प्रारंभिक चरण में एक अनुच्छेद में करना चाहिए।

कथ्य-विवेचन - इसमें विषय पर तर्कपूर्ण विवेचन प्रस्तुत किया जाता है। विवरणात्मक तथा वर्णनात्मक प्रस्तावों में इसके अंतर्गत चर्चा होती है।

समापन भाग - इसमें अपने विवेचन के निष्कर्ष, सुझाव, समाधान आदि दिए गए होते हैं। यह भाग प्रस्ताव में आपके अपने दृष्टिकोण पर आधारित होता है।

बच्चो ! आई. सी. एस. ई के पाठ्यक्रम में पहला प्रश्न प्रस्ताव लेखन आता है। दिए गए विषयों की रूपरेखा प्रश्न में ही होती है। आपको उन्हीं बिन्दुओं पर अपने विचार अभिव्यक्त करने होते हैं। इस प्रश्न के लिए 15 अंक तथा लगभग 250 शब्द निर्धारित होते हैं। कम शब्दों में अधिक से अधिक बात कहना ही अच्छे अंकों के लिए अपेक्षित हैं। भाषा का सटीक और परिमार्जित (शुद्ध किया हुआ) उपयोग विद्यार्थी अभ्यास द्वारा ही सीख सकते हैं। इसलिए आपसे अनुरोध है कि आप खाली समय में अपनी व्याकरण की पुस्तक में दिए गए सभी प्रस्ताव पढ़ें।

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए विराम देंगे और उस विराम के अन्तर्गत आपको पूछे गए

CamScanner

प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. प्रस्ताव लेखन की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

प्रश्न 2. वर्णनात्मक प्रस्तावों में किससे संबंधित वर्णन होता है ?

प्रश्न 3. प्रस्ताव का कलेवर कितने भागों में विभाजित होता है ? उनके नाम लिखिए।

प्रश्न 4. प्रस्ताव लेखन के लिए प्रश्न-पत्र में कितने अंक एवं शब्द निर्धारित होते हैं।

बच्चो ! इन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दी गई तीन मिनट की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा करती हूँ कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ, जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. प्रस्ताव लेखन में भाषा सरल, शुद्ध और प्रभावोत्पादक होनी चाहिए।

उत्तर 2. वर्णनात्मक प्रस्तावों में यात्रा, ऋतु, तीर्थ, दर्शनीय-स्थल, भवन, उत्सव आदि से संबंधित वर्णन होता है।

उत्तर 3. प्रस्ताव का कलेवर प्राय: तीन भागों में विभाजित होता है।
(क) प्रारंभ (ख) कथ्य-विवेचन (ग) समापन भाग।

उत्तर 4. प्रस्ताव लेखन के लिए प्रश्न-पत्र में 15 अंक एवं 250 शब्द निर्धारित होता है।

बच्चो ! अब हमने प्रस्ताव लेखन संबंधी जानकारी प्राप्त कर ली है। आशा करती हूँ कि आपको भी अच्छी तरह समझ आ गई होगी। प्रस्ताव लिखते समय सभी विद्यार्थियों को प्रस्ताव से जुड़े सभी पहलुओं का मनन

CS CamScanner

अवश्य कर लेना चाहिए । अब मैं आपको प्रस्ताव लेखन का विषय स्वयं लिखने के लिए गृहकार्य के रूप में दे रही हूँ । दिए गए विषय को दो - तीन बार पढ़ें और अपने मन में एक रूप-रेखा तैयार कर लें । इसके बाद ही लिखना आरंभ करें। सभी विद्यार्थी लेखन - कार्य करते समय स्वच्छता का भी ध्यान रखें।

गृहकार्य

निम्नलिखित विषय पर लगभग 250 शब्दों में प्रस्ताव लिखिए 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव जीवन में मित्रों का क्या महत्त्व है ? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं ? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे । अपने विचार स्पष्ट लिखिए ।

धन्यवाद ।

[अंतिम पृष्ठ]

CamScanner